Date
01/05/2020

TEACHING OF SCIENCE

Topic - प्राथमिक चिकित्सा

D.El.Ed. IV th Sem
Period - Ist

कुछ प्राथमिक चिकित्सा -

विद्यालय तथा विद्यालय के बाहर घरो मे विद्यार्थियो के साथ प्राय: दुर्घटनाये घटित हो जाती है बच्चो मे उछल कुद होती ही रहती है, ऐसे उछलने कूदने मे प्राय विद्यार्थियो को चोट लग जाती है। विज्ञान शिक्षा करने वाले विद्यालयो मे प्रयोग करते समय भी विद्यार्थी, एसिड या गैसो से झुलसकर दुर्घटना ग्रस्त हो जाते है। प्राथमिक चिकित्सा के अन्तर्गत विद्यालयो मे निम्न वस्तुओ का रखा जाना अत्यन्त ही आवश्यक है

1- घाव पर बांधने की पट्टिया
2- स्वच्छ रुई
3- कैन्ची
4- सेफ्टीपिन
5- नाप का खरपोटचम्मा
6- तन्तु धागे

कुछ आकस्मिक घटनाये

1 - हड्डी टूटना -

गिरने और आघात के कारण प्राय हड्डी टूट जाया करती है। हड्डी टूटने के सामन्य लक्षण निम्न है।

1- स्थानीय दर्द और सूजन
2- जिस अंग की हड्डी टूट जाती है, कई बार वह अंग निष्क्रिय भी हो जाता है।

3- टूटे हुये स्थान को किड-किडाने व टूटने की आवाज आती है।
4- टूटी हुई हड्डी वाले अंग को हिलना डुलना बड़ा ही कष्टप्रद होता है।

हड्डी टूटने पर प्राथमिक चिकित्सा -

हड्डी टूटने के तुरन्त बाद ही प्राथमिक उपचार किया जाना चाहिये। प्राथमिक चिकित्सा हो जाने के पश्चात ही उसे कहीं और से हिलाया जाना चाहिये। यदि उसे बिना उपचार वहाँ से हिलाया डुलाया जायेगा तो वह चोट गम्भीर रूप धारण कर सकती है।

2 खून बहना -

शरीर का कोई अंग कट जाने पर अथवा गिर जाने पर खून बहने लगता है। कई बार नाक के रास्ते से भी खून बहने लग जाता है। इसे नकसीर फूटना कहते हैं।

खून बहने का प्राथमिक उपचार -

खून बहने पर खून के बहाव को रोकना अत्यन्त आवश्यक है। रक्त कहाँ से बह रहा है, धमनी कटी है अथवा शिरा। धमनी कटने पर नाड़ी पर कपड़ा बाँधना चाहिये। हृदय की विपरित दिशा मे जख्मी स्थान पर पट्टी बांध देनी चाहिये।

Scanned with CamScanner